होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की हत्या के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

होली पर सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित होटल पर बदमाशों ने फायरिंग की थी

बीदासर, (निसं)। होली के पर्व पर सोमवार की मध्य रात्रि को कस्बे के सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित द रॉयल ट्रीट रेस्टोरेंट एंड होटल पर बोलेरो कैम्पर में सवार होकर आए बदमाशों ने होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की गोलियों से भूनकर की गई निर्मम हत्या के बाद एक्शन मोड में आई पुलिस ने गुरूवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि मुन्नीराम की हत्या में षड़यंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में श्रीडुंगरगढ़ तहसील के घाबरिया अमृतवासी निवासी छात्र नेता सुभाष गोदारा, पुलिस थाना छापर के गांव जोगलिया निवासी लेखराम कड़वासरा और मोमासर निवासी मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी ने बताया कि अनुसंधान के दौरान सामने आया है कि मुन्नीराम की हत्या से पूर्व मनोज मेघवाल ने होटल में खाना खाने के बहाने मुन्नीराम की हर गतिविधियों की रैकी कर शुटर धनाराम व राजूराम को जानकारी दी। सुभाष व लेखराम हत्या की षड़यंत्र में शामिल थे। उक्त आरोपी घटना के बाद हरियाणा भागने की फिराक में थे, जिनको हरियाणा बॉर्डर पर ही पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों के सम्पूर्ण नेटवर्क का दौराने अनुसंधान पीसी रिमांड लिया जाकर खुलासा किया जाएगा। घटना के रैकी में शामिल मनोज मेघवाल को पुलिस ने बापर्दा गिरफ्तार किया है। इसके अलावा घटना के नामजद व घटना के षड़यंत्र में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की विशेष टीमें आरोपियों की तलाश सरगर्मी से कर रही है। मुन्नीराम की हत्या की योजना कई दिनों से चल रही थी। पहले भी मुन्नीराम की हत्या का प्रयास किया गया था और दूसरों को भी हत्या करने की सुपारी दी गई थी, जिसकी पुष्टि दौराने अनुसंधान की जाएगी। हत्या की योजना हत्या से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी। उन्होंने बताया कि षड़यंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से निरंतर हत्या की योजना बना रहा था। वहीं आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद मामले की जांच कर रहे बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर गुरूवार की देर शाम सुजानगढ न्यायालय में पेश किया है, जहां न्यायालय ने तीनों आरोपियों को पांच दिन के पीसी रिमांड पर भेजा है।

आरोपियों के घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया।

- हत्या में षड़यंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में छात्र नेता सुभाष गोदारा, लेखराम कड़वासरा और मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया
- 'हत्या की योजना वारदात से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी, षड़यंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से हत्या की योजना बना रहा था'

हत्या के नामजद आरोपी के ठिकानों पर प्रशासन की दबिश :- मुन्नीराम हत्याकांड के नामजद आरोपी एचएस देवीसिंह खेरिया के वार्ड चार स्थित मकान पर गुरूवार की शाम नगर पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पहुंचकर पालिका की बिना अनुमति के निर्माणाधीन दो मंजिला मकान को सीज कर दिया तथा घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इससे पूर्व कस्बे के पुराना बस स्टैंड पर एक आवासीय स्वीकृति पर बने दो मंजिला बने खुड़िया होटल को व्यवसायिक गतिविधियों के चलते पालिका ने सीज किया। सीज कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर पुलिस की भारी जाब्ता तैनात रहा। कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी, तहसीलदार अमरसिंह बोचला, ईओ पूनमचंद नाई, बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह, सांडवा थानाधिकारी चौथमल वर्मा, छापर थानाधिकारी इंद्रलाल सहित पालिका के सफाईकर्मी उपस्थित थे। कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ गई, उपस्थित भीड़ ने पुलिस और प्रशासन जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अमरसिंह बोचला ने बताया कि बीदासर के होटल पर हुई हत्या को लेकर संदिग्त व्यक्तियों की सम्पतियों को सीज किया जा रहा है, जो अवैध है या अतिक्रमण कर रखा या बिना स्वीकृति निर्माण कार्य किया गया है। जिन पर नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और प्रशासन का कार्रवाई में पूरा सहयोग है। भविष्य में ऐसी घटनाएं जहां कहीं पर भी होती है तो इसी प्रकार अपराधियों की सम्पतियों को सीज किया जाएगा। अपराधियों पर नियंत्रण के लिए उक्त सारी कार्रवाईयां की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं की पूनर्वति न हो इसके लिए पुलिस और प्रशासन एक्शन मोड पर है।

अलवर : सरकारी स्कूल में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ी

खटीक समाज युवा मंडल ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के चिमरावली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ने का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को खटीक समाज युवा मंडल के सदस्यों ने स्कूल परिसर में प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

युवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि मंडल ने 26 जनवरी को विद्यालय को मूर्ति भेंट की थी और 20 फरवरी को विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई थी। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी की रात कुछ युवकों ने हथौड़े से मूर्ति के हाथ-पैर तोड़ दिए। सुबह प्रिंसिपल मंजू शर्मा ने घटना के बारे में जानकारी दी। समाज के धीरज का कहना है कि गांव के कुछ युवकों ने मूर्ति तोड़ने की बात स्वीकार की और दूसरी मूर्ति लगाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई, वहीं बच्चों के द्वारा खेलते समय मूर्ति टूटने की बात बताकर मामले को दबाने की कोशिश की गई। मूर्ति तोड़े जाने और बिना सहमति दूसरी मूर्ति लगाए जाने के विरोध में खटीक समाज युवा मंडल के सदस्य व ग्रामीण स्कूल पहुंचे और जमकर विरोध जताया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और नई मूर्ति विधि-विधान से स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई।

403 विद्यार्थियों को मिलेगी उपाधि : जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह बीस मार्च को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में आयोजित किया जाएगा। कृषि विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीएस जैतावत ने बताया कि विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े के आतिथ्य में संपन्न होगा।

जोधपुर : हैड कांस्टेबल की मौत के बाद होली स्नेह मिलन स्थगित

जोधपुर, (कासं)। बोरानाडा थाने में तैनात हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की मौत के बाद गुरुवार को रातानाडा पुलिस लाइन में आयोजित होने वाला पुलिस का होली स्नेह मिलन स्थगित कर दिया गया है।

- हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई थी

हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की बुधवार देर रात सालावास रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है, जिसके चलते गुरुवार को आयोजित होने वाले पुलिस होली स्नेह मिलन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक भंवर सिंह पुत्र नारायण सिंह मूल रूप से बिलाड़ा के संभाडिया निवासी थे, वर्तमान में जोधपुर के लक्ष्मण नगर में रह रहे थे। बुधवार रात उनका शव सालावास रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनके पैर कटकर शरीर से अलग हो गए। घटना स्थल के पास ही उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

भंवरसिंह का हाल ही में कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति हुआ था। नए पद की जिम्मेदारियों के बीच इस आकस्मिक हादसे ने उनके परिवार और साथी पुलिसकर्मियों को झकझोर कर रख दिया है। हादसे की गंभीरता और शोक को देखते हुए जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट ने संवेदनशीलता दिखाई है। गुरुवार को आयोजित होने वाला पारंपरिक होली स्नेह मिलन समारोह तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया।

अलवर के देसूला के बदमाशों ने शराब ठेकेदारों से रंगदारी मांगी

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अपराधियों के हौसले इतने ज्यादा बुलंद हो चुके हैं कि वे अब शराब ठेकेदारों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। बदमाश अब शराब ठेकेदारों से भी रंगदारी मांगने में लगे हुए हैं।

मामले के अनुसार अलवर के उद्योग नगर स्थित देसूला गांव में एक परिवार पर दर्जनों मुकदमे उद्योग नगर थाने में दर्ज हैं। यह परिवार शराब तस्करी सहित सट्टा सहित अनेकों प्रकार के दो नम्बरी कामों में व्यस्त है, जिनके विरूद्ध अनेकों मामले लम्बित चल रहे हैं। यह परिवार अब उद्योग नगर क्षेत्र स्थित शराब ठेकेदारों को भी अपना निशाना बनाने में लगा हुआ है शराब ठेकेदार ने आरोप लगाया कि देसूला निवासी जगदीश नामक बदमाश ने उन पर अवैध ब्रांच के लिए दबाव बनाया, लेकिन ठेकेदारों ने इसे गैर कानूनी बताते हुए मना कर दिया तो उन्होंने उक्त शराब ठेकेदारों से पचास हजार की मंथली मांगी। इधर जब इन लोगों के बारे में ग्रामीणों से जानकारी मांगी तो देसूला के निवासियों ने बताया कि यह परिवार अपराधी किस्म का है। इनका एक लड़का आईपीएल खिलाता है और दो भाई राठी फैक्ट्री के पास सट्टे की खाईवाली का काम कर रहे हैं। इन पर अनेक मामले दर्ज बताए गए हैं, अगर इनकी पुलिस हिस्ट्री निकाली जाए तो सभी मामले सामने आ सकते हैं। इन लोगों के कारनामे पुलिस से छिपे नहीं है, लेकिन मिलीभगत के चलते आज तक इनके अनैतिक कार्यों पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है।

ग्रामीणों का कहना है कि इन लोगों ने क्षेत्र में इतना ज्यादा खौफ पैदा कर रखा है कि आम आदमी इनके अपराधों के बारे में कुछ बोलने से भी डरता है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से अपील की है कि इन बदमाशों के अपराधों पर अंकुश लगाएं, ताकि क्षेत्र का आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस करे।

चादर महोत्सव का शुभारंभ करेंगे मोहन भागवत

जैसलमेर, (नि.सं.)। राजस्थान के जैसलमेर में 6 से 8 मार्च को तीन दिवसीय चादर महोत्सव और दादागुरु इकतीसा पाठ का आयोजन होगा। चेन्नई से जैसलमेर आरही स्पेशल ट्रेन संख्या 06005 से शुक्रवार सुबह लगभग 2 हजार श्रद्धालु महोत्सव में शामिल होंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत करेंगे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को भागवत संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 7 मार्च को विश्वभर में एक साथ 1 करोड़ 8 लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का ऐतिहासिक महासंकल्प है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, विद्या भारती तथा अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सहभागी होंगे। कार्यक्रम गच्छाधिपति आचार्य मणिप्रभ सूरी की पावन निश्रा में सम्पन्न होगा। इस विराट महोत्सव के प्रेरणास्त्रोत पूज्य आचार्य जिनमनोज्ञ सागर है। चादर महोत्सव समिति के चेयरमैन महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं संयोजक जीतो के पूर्व चेयरमैन तेजराज गोलेछा है। आयोजन में विभिन्न भारतीय परंपराओं के करीब 400 संतों की उपस्थिति होगी। करीब 20 हजार श्रद्धालुओं की तीन दिवसीय कार्यक्रम में मौजूदगी रहेगी।

नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले की करेड़ा थाना पुलिस ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) में हुई नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। करेड़ा थाना पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया गेहूं, पंखे और महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज बरामद कर वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया गेहूं, पंखे और महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज बरामद कर वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी जब्त की
- गत 19 फरवरी को लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) स्कूल में चोरों ने ताले तोड़कर चोरी की वारदात अंजाम दी थी

जानकारी के अनुसार गत 19 फरवरी को लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) स्कूल के प्रधानाध्यापक लादूलाल भील ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने स्कूल के ताले तोड़कर मिड-डे मील का करीब 90 किलो गेहूं, चावल, बर्तन, गैस चूल्हा, खेलकूद का सामान, अक्षय पेटिका से नकदी और स्कूल की चेकबुक व पासबुक चोरी कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सहाड़ा) बुद्धराज खटीक व वृत्ताधिकारी (आसीन्द) ओमप्रकाश सैन के सुपरविजन में थानाधिकारी पूर्णमल मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर संदिग्धों पर नजर रखी। पुलिस ने पूर्व में संपत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त अपराधियों के मोबाइल रिकॉर्ड खंगाले। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने ठिकरिया खेड़ा निवासी पिंटू (26) पुत्र गोपाल बलाई और माधु (21) पुत्र हरदेव गुर्जर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने स्कूल में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 90 किलो गेहूं, दो पंखे, दो बैंक पासबुक और एक चेकबुक के साथ वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

कोटा : नहर में डूबे एक युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके के डीसीएम क्षेत्र में नहर में नहाने गये दो दोस्त तेज बहाव में बह गये। मौके पर मौजूद लोगों ने एक को तो बचा लिया, लेकिन दूसरा पानी में डूब गया और तेज बहाव में बह गया। नहर में युवक के डूबने की सूचना पर पुलिस व नगर निगम की गौताखोर टीम मौके पर पहुंची और नहर में बह गये युवक के शव को बरामद कर नहर से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया।

- दो दोस्त पानी में बह गये थे, एक को बचा लिया था

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि नहर में नहाते समय एक युवक के तेज बहाव में डूबने की सूचना मिली। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर पानी में बहे युवक की तलाश शुरू की और युवक का शव को बरामद कर नहर से बहार निकाला गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक युवक की पहचान हनुमंतखेड़ा निवासी पवन कुमार के रूप में हुई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

छात्र की मौत को लेकर परिजनों ने धरना दिया

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में करंट की चपेट में आने से बुधवार को एक छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों व समाज के लोगों ने गुरूवार को इलाके में स्थित हॉस्टल के बाहर धरना देकर आक्रोश जताया।

जानकारी के अनुसार कुन्हाड़ी इलाके के लैंडमार्क सिटी में होली खेलने के दौरान एक हॉस्टल के बाहर लगे ट्रांसफार्मर के करंट की चपेट में आने से बीएसटीसी कर रहे छात्र धीरज मीणा की मौत हो गई थी। हादसे के बाद मृतक के परिजनों व समाज के लोगों ने दोषियो के विरूद्ध कार्यवाही की मांग को लेकर हॉस्टल के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। समाज के लोगों की मांग थी कि मृतक छात्र धीरज के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाये साथ ही घटना के पीछे जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्यवाही की जाये। लोगों ने हॉस्टल संचालक सहित केडीए को दोषी ठहराया। हॉस्टल के बाहर मृतक छात्र के परिजनों व समाज के लोगों द्वारा धरने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की।

कुन्हाड़ी थानाधिकारी कौशल्या ने बताया कि बूंदी के गोविंदपुरा बावड़ी निवासी धीरज मीणा जो दोस्तों के साथ होली खेलने के लिये कोटा के लैंडमार्क सिटी आया था। जहां होली खेलने के दौरान करंट की चपेट में आने से छात्र की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि घटना को लेकर बुधवार को मृतक के परिजनों ने करंट की बात बताई थी। गुरूवार को मृतक के परिजनों के साथ कुछ लोगों ने घटना का जिम्मेदार हॉस्टल संचालक व केडीए को ठहराते हुए हॉस्टल के बाहर धरना दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धरने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। मृतक के परिजनों ने रिपोर्ट दी है, परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और मामले में जो भी दोषी पाया जायेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। वहीं मृतक के परिजनों को मुआवजे पर परिजनो व केडीए प्रशासन के बीच शुक्रवार को वार्ता होगी, जिसके बाद धरने को समाप्त किया गया। मामले में जांच की जा रही हैं।

उदयपुर के मेनार में 451 साल पुरानी जीत की याद में बारूद की होली खेली

आधी रात परंपरा निभाने जुटे हजारों लोग, गर्जी तोपें, गोलियों की आवाज से सहमा इलाका

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से 45 किलोमीटर दूर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाइवे पर स्थित मेनार गांव में करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में मेनारिया ब्राह्मण समाज द्वारा बुधवार की रात को परम्परागतरूप में बारूद की होली खेली गई।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर आधी रात का सन्नाटा अचानक धमाकों से टूटता है। ढोल-नगाडों की थाप के बीच लाल पगड़ियां बांधे युवक तलवारें लहराते हुए चौक की ओर बढ़ते हैं। देखते ही देखते तोपें गरजने लगती हैं, बंदूकों की तडतडाहट आसमान चीर देती है और बारूद की गंध से पूरा गांव भर उठता है। यह किसी युद्ध का दृश्य नहीं, बल्कि मेवाड़ की शौर्य परंपरा का जश्न है जो हर साल होली के बाद मेनार गांव में दोहराया जाता है। हर साल होलिका दहन के 48 घंटे बाद यानि तीसरी रात (जमरा बीज) को यह आयोजन होता है।

बुधवार रात करीब दस बजे से गांव का माहौल बदलने लगा। पारंपरिक धोती-कुर्ता और कसुमल साफा पहने लोग घरों से निकले। हाथों में तलवारें और बंदूकें थीं। टुकड़ियां अलग-अलग रास्तों से ललकारते हुए ओंकारेश्वर चौक की ओर बढ़ी।

ढोल-दुंदुभियों की गूंज के बीच गांव के पांच प्रमुख रास्तों की प्रतीकात्मक मोर्चाबंदी की गई। मशालें लेकर पांच दल गांव में निकले और जब वे एक साथ चौक में लौटे तो वातावरण रोमांच से भर उठा। इसके बाद बारूद की होली की शुरुआत हुई। तोपों में बारूद भरकर धमाके किए गए, बंदूकों से हवाई फायर हुए और तलवारों के साथ प्रसिद्ध गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया। हर धमाके के साथ भीड जयकारे लगाती रही। इस आयोजन में महिलाओं की भूमिका भी अहम रही। सिर पर मंगल कलश रखकर वे बोचरी माता की घाटी तक शोभायात्रा में शामिल हुईं। यहां ऐतिहासिक विजय की शौर्य गाथा पढ़ी गई और मुख्य होली को ठंडा करने की परंपरागत रस्म निभाई गई। इसके बाद महिलाएं वीर रस के गीत गाती हुई जुलूस के साथ ओंकारेश्वर चौक पहुंची जहां रात का सबसे रोमांचक चरण बारूद की होली शुरू हुआ।

लोक परंपरा के अनुसार मेवाड़ में महाराणा अमरसिंह के समय आसपास के क्षेत्रों में मुगल सेनाओं की कई चौकियां थी। मेनार गांव के पूर्वी छोर पर भी ऐसी ही एक मुगल छावनी स्थापित थी जिससे स्थानीय लोग परेशान थे। बताया जाता है कि जब वल्लभनगर क्षेत्र में मुगल चौकी पर विजय का समाचार मेनार पहुंचा तो गांव के लोगों ने ओंकारेश्वर चबूतरे पर सभा की और उसी जोश में मुगल चौकी पर धावा बोल दिया। संघर्ष के बाद चौकी ध्वस्त कर दी गई। उसी जीत की याद में यह परंपरा पीढियों से निभाई जा रही है। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए दूर-दराज से लोग मेनार पहुंचे। राजस्थान के कई शहरों के अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में लोग आए। कई प्रवासी ग्रामीण भी विदेशों से गांव लौटे।

प्रतापगढ़ के दुधली टांडा गांव में महिलाओं और पुरुषों ने लट्ठमार होली खेली

प्रतापगढ़, (निसं)। जिले के धमोत्तर पंचायत समिति के दुधली टांडा गांव के श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर के पास गुरुवार को लट्ठमार होली नगाड़ों की थपथपाहट के साथ डीजे की धूम पर खेली गई। लट्ठमार होली का आयोजन जो कि लबाना बाहुल्य क्षेत्रों में सदियों से चलता आ रहा है। इस होली में महिलाओं द्वारा पुरूषों पर लट्ठ बरसाए गए। पुरूष सहजता के साथ लट्ठ की मार को सहन करते हुए बचाव किया।

समाजसेवी दशरथ लबाना ने बताया कि लट्ठमार होली से पहले शाम ढलने से पूर्व विधि विधान पूर्वक पूजा-र्चना के साथ पुरूष व महिलाओं द्वारा ललेनो नृत्य नगाड़ों के थपथपाहाट से शुरू किया गया। उसके बाद में लट्ठमार होली खेली गई। नेजा लूटने के दौरान पुरूषों को घेर-घेर कर लाठियां बरसाई गई, जबकि पुरूष अपनी लाठियों के दम पर महिलाओं से लाठियों से बचने का जतन किया। लबाना बाहुल्य गांवों में लट्ठमार होली के मद्देनजर आस-पास के कई गांवों के समाजजन यहां भागीदारी करने पहुंचे।

दुधली टांडा गांव के नायक मांगीलाल लबाना ने बताया कि गांव के बुर्जुगों के अनुसार पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं के समानता का दर्जा बना रहे, इसके लिए बुर्जगों ने इस प्रकार के कार्यक्रम रखे थे। पुराने समय में पुरूष प्रधान समाज में जहां महिलाओं की हर जगह उपेक्षा की जाती थी। इससे महिलाओं में पुरूष समाज के प्रति उत्पत्र कुंठा के भाव को दूर करने के लिए लट्ठमार होली का आयोजन किया। इसके माध्यम से महिलाओं की सालभर की कुंठाएं को होली के पावन पर्व में खत्म करने के उद्देश्य को लेकर भाभी, काकी, अन्य महिलाएं अपने देवर, नजदीकी रिश्तेदारी, अन्य जनों को भी मारेगी, महिलाएं भी अपने प्रतिशोध होली के माध्यम से मन में भेदभाव को मिटाया गया। इस दिन पुरूष खुशी-खुशी महिलाओं से मार खाकर उनकी सालभर की भरी कुंठाओं और गिले शिकवों को दूर किया। इस खेल को खेलने से पूर्व भगवान शिव व पार्वती के सुखमय जीवन के गीतों का गायन किया।

होली में महिलाओं ने पुरूषों पर लट्ठ बरसाये तो पुरूषों ने सहजता के साथ बचाव किया।

- होली में महिलाओं द्वारा पुरूषों पर लट्ठ बरसाए गए, पुरूष सहजता के साथ लट्ठ की मार को सहन करते हुए बचाव किया

मांगीलाल लबाना ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान शिवशंकर के वरदान के कारण यह आयोजन लबाना समाज में खेला जाता है। चैर द्वारा बेल ले जाना व नायक की मृत्यु कर देने पर जब पार्वती व शिवशंकर भगवान विचरण कर रहे थे। उस समय नायक की पत्नी रो रही थी। उस समय पार्वती व शिवशंकर भगवान को नायक की पत्नी रोने पर दया आने पर उन्होंने कहा कि इसको दण्डी मारकर भगाने को लेकर नायक की पत्नी ओको शिवशंकर ने वरदान दिया था और उसके पति को जिवित कर देने को लेकर लट्ठमार होली का आयोजन चोर को भगाने को लेकर किया जा रहा है। इस पर्व को स्थानीय भाषा में नेजा लुटना भी कहा जाता है। हजारों की संख्या में आसपास के ग्रामीणजन देखने को पहुंचे।